जनवरी में सेल्स कोटा बढ़ने के बाद भी बढ़ा चीनी का दाम

[जयश्री भोसले | पुणे]

महाराष्ट्र में पिछले 10 दिनों में शुगर के दाम लगभग 3 पर्सेंट तक बढ़े हैं। एस30 ग्रेड शुगर के भाव 28.40 रुपये से 32.50 रुपये प्रतिकिलो पर पहुंच गए हैं। यह बढ़ोतरी जनवरी के लिए सेल्स कोटा बढ़ाने जाने के बावजूद हुई है। व्यापारियों का कहना है कि दक्षिणी और पश्चिमी भारत से अच्छी मांग और एक्सपोर्ट में तेजी से कीमतों को मजबूती मिली है।

पिछले कई सालों से देश की शुगर इंडस्ट्री अधिक उत्पादन की समस्या से जूझ रही थी, जिसके चलते शुगर की कीमतें नरम बनी रहती थीं। यहां तक कि मिल मालिकों को सरकार की ओर से तय किए 31.50 रुपये प्रतिकिलो के न्यूनतम मूल्य से भी काफी कम कीमत पर शुगर को बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता था। हालांकि पिछले 15 दिनों में महाराष्ट्र में शुगर के दाम 1 से 1.50 रुपये प्रतिकिलो तक बढ़े हैं। महाराष्ट्र के शुगर व्यापारी अभीजित घोरपड़े ने बताया, 'महाराष्ट्र के बाहर शुगर की काफी अच्छी मांग है। खासतौर से दक्षिणी राज्यों और पश्चिम में राजस्थान और गुजरात में।

महाराष्ट्र में पिछले 10 दिनों में 3% तक बढ़े चीनी के भाव, S30 ग्रेड शुगर की कीमत ~32.50 प्रति किलो हो गई है

बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने बताया कि सरकार ने जनवरी महीने के लिए 22 लाख टन का कोटा आवंटित किया है, जो घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। इसके बावजूद मांग अच्छी रही है।

उन्होंने बताया, 'एक्सपोर्ट में तेजी ने भी दाम बढ़ाने में मदद की है।' 31 दिसंबर तक देश में शुगर प्रॉडक्शन पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 30 पर्सेंट कम थी। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) की ओर से नवंबर में जारी पहले अनुमान में कहा गया था कि इस साल शुगर प्रॉडक्शन 260 लाख टन रह सकता है, जो पिछले साल 331 लाख टन था। हालांकि पिछले साल का 145.8 लाख टन का स्टॉक बचे रहने के चलते 2019-20 शुगर सीजन में एक बार फिर से सरप्लस प्रॉडक्शन देखने को मिल सकता है। अगले कुछ हफ्तों में शुगर प्रॉडक्शन के संशोधित अनुमान जारी किए जाएंगे। व्यापारियों को तब तक शुगर की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रहने की उम्मीद है।

Economic Times
10/1/20